लखनऊ संडे नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली/लखनऊ । 22 दिसंबर 2013 www.lucknow.nbt.in

अलमनाई मीट में ताजा हुईं यारों की खट्टी-मिट्टी यादें

स्टूडेंट कैम्ब्रिज से सीखेंगे अंग्रेजी

आईईटी के रिजल्ट होंगे ऑनलाइन, आएंगे जॉब के ऑफर

एनबीटी, लखनऊ

इंस्स्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) के पुराने छात्रों ने शनिवार को न केवल कॉलेज के दिनों की यादें ताजा की बल्कि अपने पुराने कॉलेज को नई दिशा देने की रणनीति भी तय की। अल्मनाई एसोसिएशन के इस आयोजन में 1984 और 88 बैच के स्टूडेंट जुटे। इस असवर पर कॉलेज ने दो अलग अलग कंपनियों के साथ एमओयू साइन किया। इस एमओयू के तहत यहां के स्टूडेंट्स को अंग्रेजी सुधारने के लिए कैंम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से अंग्रेजी सीखने का मौका मिलेगा। स्टूडेंट्स के रिजल्ट को ऑनलाइन किया जाएगा जिससे बेस्ट स्टूडेंट्स से विभिन्न कंपनियां सम्पर्क करके उन्हें जॉब का ऑफर दे सकें। इसके अलावा उन स्टूडेंट्स को एक्स्ट्रा क्लास देने के लिए ड्रैगनफ्लाई नामक कंपनी से करार किया गया है जो उस सब्जेक्ट के स्टूडेंट्स को पढ़ाएगा, जिसमें वह सबसे ज्यादा फेल होते हैं। इसकी शुरुआत पहले चरण में लखनऊ से हो रही है, बाद में इसे अन्य कॉलेजों में लागू किया जाएगा। यह घोषणा शनिवार को यूपीटीयू के वीसी आरके खंडल ने की। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश तकनीकी विभाग के मंत्री राम शंकर गुर्जर उपस्थित थे।

आईईटी के अलमनाई मीट में मौजूद कुलपति प्रो. आरके खांडल।

सिल्वर जुबिली में जुटी बदमाश कंपनी

25 साल बाद अपने कैंपस में आकर 1984 और 88 बैच के स्टूडेंट्स की यादें ताजा हो गई। अपने दोस्तों और संहेलियों के देख यूपीटीयू के पुराने स्टूडेंट्स के चेहरे पर मुस्कान छा गई। पुराने दोस्तों के संग हंसी ठिठोली का माहौल बन गया किसी के गिले शिकवे हुए दूर तो कई पुराने दिन याद करते हुए कुछ पल के लिए बन गया शैतान। यूपीटीयू के पहले बैच की बदमाश कंपनी की मीनाक्षी जो इस समय गुड़गावं में खुद की कंपनी चला रही हैं, रमा गुप्ता जो जयपुर एयपोर्ट अथारिटी में जनरल मैनेजर के पद पर हैं और यूएस की न्यूजर्सी स्थित एक फार्मास्युटिकल कंपनी में कार्यरत अंजना श्रीवास्तव ने जैसे ही एक दूसरे को देखा तो खुशी के मारे उनकी चीख निकल आई। इस कार्यक्रम में 25 वर्ष बाद एक दूसरे से मुलाकात हुई तो पुरानी शैतानियां याद आ गई।

इनके साथ हुआ एमओयू पर हस्ताक्षर

- सीएमसी लिमिटेड के साथ हुए एमओयू के बाद यूपीटीयू के स्टूडेंट्स के रिजल्ट ऑनलाइन होंगे। सबसे अच्छे अंक हासिल करने वाले को जॉब के ऑफ आएंगे।
- लिक्विड ई-लर्निंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ हुए एमओयू के बाद यूपीटीयू के स्टूडेंट्स के लैपटॉप पर अंग्रेजी सीखने का प्रोग्राम उपलोड होगा, जो कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने तैयार किया है। इसे यूपीटीयू की वेबसाइट और सर्वर पर भी होगा।
- ड्रैगन फ्लाई एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओयू हस्ताक्षर हुए जिससे यूपीटीयू के स्टूडेंट्स को इंजीनियरिंग एजुकेशन फ्री में मिलेगी।

अमर उजाला
लखनऊ, 22 दिसंबर 2013
MyCity

आईईटी में एल्युमनाई मीट, 1984-88 बैच के छात्र और शिक्षक हुए सम्मानित

खोला किस्सों का पिटारा

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की एल्युमनाई मीट में पूर्व छात्रों ने पुरानी यादें ताजा कीं और ग्रुप फोटो भी खिंचवाया।

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। कोई पुराने क्लास रूम को निहार रहा था तो कोई हॉस्टल में घूमकर पुरानी यादें ताजा कर रहा था। मौका था सीतापुर रोड स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) की एल्युमनाई मीट का, जहां सिल्वर जुबली बैच 1984-88 के छात्रों ने यादों का पिटारा खोला। सभी को यूपीटीय-आईईटी की ओर से सम्मानित किया गया। फर्स्ट बैच को पढ़ाने वाले टीचर्स का भी सम्मान हुआ।

समारोह में प्राविधिक शिक्षा राज्यमंत्री राम सकल गुर्जर ने कहा कि यह पूर्व छात्र नगीने हैं, इन्हें संजोकर रखना होगा। पहली बार आईईटी कैंपस में एल्युमनाई मीट के आयोजन पर यूपीटीयू के कुलपति ने कहा कि अपना घर भले ही कुटिया क्यों न हो, सबसे प्यारा होता है। उन्होंने संस्थान को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए पूर्व छात्रों से अपील की। यूपीटीयू के प्रति कुलपति प्रो. दिवाकर सिंह यादव ने कहा कि दोबारा अस्तित्व में आने पर यूपीटीयू को पुराना गौरव हासिल हुआ है। कार्यक्रम में डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भारत सरकार के सलाहकार डॉ. संजय मिश्रा ने भी विचार रखे। आईईटी के डीन प्रो. बीएन मिश्रा ने उम्मीद जताई कि एल्युमिनाई कैंपस को चमकाने में मदद करेंगे। आईईटी एल्युमिनाई एसोसिएशएन महामंत्री हरि ओम शर्मा ने उन्हें मदद का आश्वासन दिया।

> आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को निशुल्क शिक्षा और प्लेसमेंट में करेंगे मदद

पूर्व छात्र सम्मानित

संजय अग्रवाल (कंट्री हेड, एचपी), पंकज शाह (एलएंडटी में एकाउंट डायरेक्टर), पंकज कटोज (गूगल में अधिकारी) प्रेम प्रकाश शुक्ला (डिप्टी डायरेक्टर, दूरदर्शन), केपी सिंह (अनंत अल्ट्रा लैब प्रमुख), जेपी विमल (इंजीनियर, बिजली विभाग), कैके अग्रवाल (भारत इलेक्ट्रॉनिक्स में अधिकारी), श्रीराम श्रीवास्तव (बिजनेसमैन), अंजना श्रीवास्तव (यूएस में फॉर्मा कंपनी में अधिकारी), मीनाक्षी वत्स (बिजनेसमैन), रमा गुप्ता (एयरपोर्ट अथॉरिटी जयपुर में अधिकारी), यतीश कथैरिया (आईटीएस अधिकारी), वाईके शुक्ला (कंसल्टेंट), मनोज लाला (ओएनजीसी में अधिकारी), कमांडर संजय ओझा (प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में डायरेक्टर), अंजनी कुमार श्रीवास्तव (मार्केटिंग ऑफिसर), आशीष कुमार श्रीवास्तव (एयरपोर्ट अथॉरिटी, संयुक्त महाप्रबंधक), पंकज चोपड़ा (बिजनेसमैन)।

शिक्षकों का हुआ सम्मान

डॉ. एसबीएस मिश्रा, डॉ. वी कुंवर, प्रोफेसर नीलम श्रीवास्तव, डॉ. एसपी श्रीवास्तव, डॉ. आरसी चौधरी, डॉ. एसपी त्रिपाठी, डॉ. वीके सिंह।

याद किए बीते लम्हे

मैं हूं आईईटी का फर्स्ट स्टूडेंट : पंकज शाह

अमेरिका में लार्सन एंड टूब्रो कंपनी में अकाउंट डायरेक्टर पंकज शाह ने बताया कि वह 1984 में दाखिला लेने वाले पहले स्टूडेंट थे और उनका रोल नंबर 1 था। वहीं, दिल्ली में सॉफ्टवेयर कंपनी की मालिक मीनाक्षी वत्स ने बताया कि एक दिन वह कैंपस में टंकी पर चढ़ गई थीं। इतने में टीचर ने पकड़ लिया व फाइन लगाया।

ऑलराउंडर होते हैं छात्र: अंजना श्रीवास्तव

यूएस के न्यू जर्सी में फॉर्मा कंपनी बीएमएस में अधिकारी अंजना श्रीवास्तव ने बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ यहां कला भी सीखी। वहीं, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, जयपुर में अधिकारी रमा गुप्ता ने बताया कि आईईटी कैंपस में पढ़ाई के दौरान इक्का-तांगा पर बैठकर खूब घूमी।

बस कंडक्टर को घेरा : गौरव जैन

एयरसेल में रीजनल सीटीओ गौरव जैन ने बताया कि मोहिबुल्लापुर बस स्टैंड पर हमारे टीचर से बस कंडक्टर ने अभद्रता कर दी। सभी ने कंडक्टर को घेर लिया। कैंपस आने पर टीचर खूब डांटा भी था।

भावुक हो गए 'कर्नल' डॉ. वीके सिंह

आईईटी में कर्नल के नाम से मशहूर डॉ. वीके सिंह जब मंच पर आए तो वह भावुक हो गए। वह बोले, इलेक्ट्रॉनिक विभाग में जब प्रयोगशाला के लिए उपकरण ट्रक पर लदकर आते थे तो यही स्टूडेंट उसे उठाकर प्रयोगशाला में रखवाते थे। वहीं, मंच पर जब सम्मानित करने के लिए प्रोफेसर नीलम श्रीवास्तव को बुलाया गया तो छात्राओं ने खड़े होकर तालियां बजाईं।

कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट पढ़ाएंगे इंग्लिश

लखनऊ (ब्यूरो)। इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) अब पढ़ाई के साथ-साथ स्टूडेंट्स की पर्सनॉलिटी निखारने पर फोकस करेगी, ताकि स्टूडेंट्स को अच्छी जॉब मिल सके। शनिवार को एल्युमनाई मीट के साथ हुई इंडस्ट्री एकेडमिया इंटरेक्शन 'कनवरजेंस 2013' में यह बात कही गई। कार्यक्रम में आईईटी ने तीन एमओयू पर साइन किए। यूपीटीयू के कुलपति डॉ. आरके खांडल ने बताया कि कैंब्रिज यूनिवर्सिटी और यूपीटीयू के बीच हुए करार के बाद अब वहां के एक्सपर्ट शिक्षकों व छात्रों को ऑनलाइन इंग्लिश पढ़ाएंगे। इसमें स्टूडेंट्स व टीचर मुफ्त में एक प्रोग्राम डाउनलोड करेंगे। इसके बाद कभी भी अंग्रेजी आसानी से पढ़ सकेंगे। कार्यक्रम में प्राविधिक शिक्षा राज्यमंत्री राम सकल गुर्जर की उपस्थिति में आईईटी में जिन तीन एमओयू पर साइन किया गया, उनमें पहला झायगन पलाई कंपनी और आईईटी के बीच हुआ। सीएमसी लिमिटेड के रीजनल मैनेजर अजय सिंह ने बताया कि आईईटी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की कोशिश की जाएगी। वहीं, तीसरा एमओयू लिविंड लर्निंग सॉल्यूशन के साथ हुआ, जिसमें इंग्लिश बेहतर बनाने पर काम किया जाएगा। इस कंपनी के सीईओ विवेक अग्रवाल ने कहा कि वह स्टूडेंट्स की पर्सनॉलिटी को निखारेंगे। कार्यक्रम में आईईटी के डीन प्रो. बीएन मिश्रा ने कहा कि पायलेट प्रोजेक्ट के तहत पहले इसे आईईटी में लागू किया जाएगा। इसके बाद इसे बाकी सभी संस्थानों में लागू किया जाएगा। वहीं, यूपीटीयू के कुलपति डॉ. आरके खांडल ने बताया कि बीटेक में अच्छा प्रोजेक्ट बनाने पर टॉप चार स्टूडेंट्स को 25-25 हजार रुपए का पुरस्कार और एमटेक में अच्छा प्रोजेक्ट बनाने वाले स्टूडेंट को 50 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।

पहला प्रो. टीके घोष गोल्ड मेडल लक्ष्मी पाठक को

यूपीटीयू के कुलपति डॉ. आरके खांडल ने आईईटी में बॉयोटेक के मेधावी स्टूडेंट कैलिए प्रो. टीके घोष गोल्ड मेडल की घोषणा की। उन्होंने बताया कि आईईटी का जो स्टूडेंट बॉयोटेक में टॉप करेगा उसे यह पदक दिया जाएगा। पहला प्रो. टीके घोष गोल्ड मेडल एमटेक बॉयोटेक की छात्रा लक्ष्मी पाठक को दिया जाएगा। 11 जनवरी, 2014 को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में यह मेडल दिया जाएगा।

...वो पानी की टंकी, आम का पेड़ और लम्बू का ढाबा

आईईटी
एल्मनॉय मीट

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

कोई 15 साल बाद कैंपस आया था तो कोई दस साल बाद कदम रख रहा था। पुराने दोस्तों से मिलने के बाद किसी की आंखें नम थीं तो कोई अपने साथियों के बारे में जानने को उत्सुक था। यह नजारा था, सीतापुर रोड स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की प्रथम बैच की सिल्वर जुबली एल्मनॉय मीट का। अमेरिका से आई अंजना श्रीवास्तव जब अपनी पुरानी दोस्त रमा और मनीषा से मिलीं तो उनकी आंखें भर आईं। बैग रखने के बाद वह सबसे पहले आईईटी की पानी की टंकी की तरफ पहुंचीं। जिस पर चढ़कर वह कभी मस्ती किया करती थी। कैंपस के अंदर लगा आम का पेड़ भी उनको अभी तक याद है।

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में 1988 बैच के प्रथम पास आउट छात्र एकबार फिर से जुटे थे। कोई अमेरिका से आया था तो कोई पुणे, मुम्बई और देश के अलग अलग कोने से यादें ताजा करने के लिए जुटा था। उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरके खांडल ने पहले बैच के छात्रों को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि आप भले ही महल में रहने लगे हों, लेकिन अपना घर में जो मजा आता है तो वह कहीं नहीं आता। इस मौके पर राज्यमंत्री प्राविधिक शिक्षा राम सकल गुर्जर भी मौजूद थे।

वहीं, बरसों बाद कैंपस में कदम रखने वाले छात्र शिक्षकों से लेकर अपने साथियों को तलाशते हुए नजर आए। अमेरिका के बोस्टन शहर में एल एंड टी कंपनी में अधिकारी पंकज शाह स्टेज पर इतने भावुक हो गए कि उनकी आंखें भर आईं। पंकज ने बताया कि वह दस साल बाद लखनऊ में कदम रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि आईईटी को बुलंदी तक पहुंचाने और छात्रों के बेहतर कॅरियर के लिए वह तरह की मदद को तैयार है।

आईईटी के एल्मनॉय मीट में शामिल होने के लिए आए देश-विदेश से पूर्व छात्र-छात्राएं। • हिन्दुस्तान

तांगे पर घूमने जाते थे

दिल्ली से आई मीनाक्षी वत्स अब अपनी साफ्टवेयर कंपनी चलाती हैं। मीनाक्षी 1988 प्रथम बैच की छात्रा हैं। मीनाक्षी ने बताया कि उस समय इतनी गाड़ियां नहीं थी। इसलिए हम लोग दिन में क्लास खत्म करने के बाद तांगे से घूमने के लिए जाया करते थे। उन्होंने बताया कि वह अपनी साथियों के साथ टंकी पर चढ़ गई थीं। इसके लिए उन पर फाइन भी लगा था, लेकिन माफी मांगने के बाद शिक्षकों ने क्षमा कर दिया थी। एयरपोर्ट एथारिटी पर अधिकारी रमा बताती हैं कि आईईटी के पीछे पहले गांव हुआ करते थे। हम लोग अक्सर वहां घूमने जाते थे और कुएं से पानी निकालने की नाकाम कोशिश करते थे। उन्होंने बताया कि हमेशा से आईईटी की शैक्षिक गुणवत्ता और अनुशासन टॉप पर रहा है।

ढाबे पर होता था हैंग आउट

टीसीएस में अधिकारी विजय प्रकाश मौर्या बताते हैं कि उस समय आईईटी में काफी अनुशासन था। प्रो. आरएस निर्जर चीफ प्राक्टर थे। वह काफी सख्त थे। हम लोग उनसे छिपकर मस्ती करने के लिए जाते थे। सीतापुर रोड लम्बू का ढाबा उनका हैंग आउट प्वाइंट था। उन्होंने बताया कि अभी हम लोग तीन दिन तक हैं। एक दिन फिर से ढाबे पर इंज्वाय करने के लिए जाएंगे।

मैं सबसे पहला छात्र था

अमेरिका से आए पंकज शाह ने बताया कि वह आईईटी के सबसे पहले छात्र हैं, क्योंकि उनका रोल नम्बर एक था। उन्होंने बताया कि पहले इंजीनियरिंग कॉलेज बहुत ही कम थे। इसलिए आईईटी की साख बहुत ज्यादा थी।

इंडस्ट्री के हिसाब से तैयार हो सेलेबस

तकनीकी शिक्षा में छात्रों के बेहतर भविष्य के जरूरी है कि यूनिवर्सिटी जो सेलेबस तैयार करें, उसमें इंडस्ट्री की मदद जरूर लें। ये बातें शनिवार को इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में इंडस्ट्री एकेडमिया वर्कशाप में साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग भारत सरकार में एडवाइजर संजय मिश्र ने कहीं।

उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा में अब इंडस्ट्री और छात्रों का आपसी तालमेल बहुत जरूरी है।वहीं इस मौके पर कुलपति प्रो. आरके खांडल ने बताया कि इंस्टीट्यूट में इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए छात्रों के पांच टॉप प्रोजेक्ट को 25 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। आईईटी के डीन एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. बीएन मिश्र ने बताया कि इस बार से एमटेक बायोटेक्नोलॉजी में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली लक्ष्मी पाठक को प्रो. टीके घोष गोल्ड मेडल से नवाजा जाएगा।

राज्यमंत्री राम सकल गुर्जर ने कहा कि शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वह छात्रों को ऐसी शिक्षा दें कि उनका भरोसा संस्थान पर बढ़े। उन्होंने कहा कि यूपीटीयू को आगे बढ़ाने के लिए सरकार हर संभव मदद करेगी। कुलपति प्रो. आरके खांडल ने कहा कि यूपीटीयू और आईईटी में शिक्षा का स्तर आगे बढ़ाने के लिए कई कंपनियों और विदेशी यूनिवर्सिटियों से एमओयू साइन किए जा रहे हैं। प्रतिकुलपति प्रो. दिवाकर सिंह ने कहा कि शिक्षकों और छात्रों की वजह से यूनिवर्सिटी इस मुकाम पर पहुंची है। कार्यक्रम में आईईटी के शिक्षक प्रो. वीके सिंह, डॉ. नीलम श्रीवास्तव, डॉ. आरसी चौधरी, डॉ. एनबी मिश्र और प्रो. एसपी त्रिपाठी को सम्मानित किया गया।

पूर्व छात्रों से बातचीत

आईईटी में मेरी आत्मा बसती है। शिक्षकों और छात्रों से जुड़ाव बहुत है। मै यहां के छात्रों के लिए कुछ करना चाहूंगा। इसके लिए कुलपति से बात करुंगा।
पंकज शाह, एकाउंट डायरेक्टर, एलएंडटी

आईईटी में मैंने बहुत ही शरारतें और मस्ती की है। इसके लिए शिक्षकों से डांट भी पड़ी है। काफी सालों के बाद आई हूं। फिर से वही शरारतें करना चाहती हूं।
मीनाक्षी वत्स, सॉफ्टवेयर कंपनी की ओनर

काफी साल के बाद कैंपस में आया हूं। बहुत अच्छा लगा रहा है। पहले परिसर में घूमूंगा। पुराने साथियों के साथ मस्ती होगी। कुछ साथियों से तो काफी सालों के बाद मिल रहा हूं।
संजय अग्रवाल, कंट्री मैनेजर, एचपी

काफी साल अमेरिका में बिताए लेकिन यहां पर गुजारा एक-एक पल आज भी याद है। पुराने शिक्षकों से मिलकर काफी अच्छा लग रहा है। लग रहा है कि बीते दिन फिर से लौट आए हैं।
अंजना श्रीवास्तव, यूएसए

एमओयू हुए साइन

यूपीटीयू ने इंडस्ट्री एकेडमिया के साथ तीन कंपनियों के साथ एमओयू साइन किया है।

ड्रैगन फ्लाई कंपनी
तकनीकी शिक्षा में छात्रों के लिए स्मार्ट क्लासेज डेवलप करेगी और देश विदेश की नामी शिक्षाविदों के लिए क्लासेज आईईटी में कराएंगी। साथ ही छात्रों में पर्सनॉलिटी और स्किल डेवलपमेंट का काम करेगी।

सीएमसी
छात्रों में सर्विस और रोजगारपरकता बढ़ाने के लिए काम करेगी। सबसे बेहतर छात्रों को डेटा कंपनियों को भेजेगी।

लिक्विड ई लर्निंग
यह कंपनी छात्रों को परीक्षण करेगी और उनकी इंगलिश स्पीकिंग को बेहतर करेगी।

आईईटी का कैंब्रिज विश्वविद्यालय के साथ करार

लखनऊ (एसएनबी)। सीतापुर रोड स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) को आगे बढ़ाने का जिम्मा अब पुराने छात्रों के कंधे भी होगा। पुराने छात्र न केवल संस्थान के इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने में मदद करेंगे बल्कि छात्रों को विश्व की तकनीक के रूबरू कराने और प्लेसमेंट में भी मदद करेंगे। पुराने छात्रों ने यह प्रतिज्ञा शनिवार को आईईटी की ओर से आयोजित वर्ष 1984-88 बैच के छात्रों के लिए आयोजित सम्मान समारोह कन्वर्जन 2013 में ली। ये छात्र आईईटी पहले बैच के हैं। समारोह में 77 छात्रों के बैच में से तीन दर्जन से अधिक पूर्व छात्र एकत्रित हुए थे। समारोह में पूर्व छात्र और तत्कालीन शिक्षकों को सम्मानित किया। इंडस्ट्रीज एंड एकेडमिया मीट नामक इस समारोह में तीन कंपनियों ने संस्थान में अपनी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए करार किया।

समारोह के मुख्य अतिथि और प्राविधिक शिक्षा राज्य मंत्री राम सकल गुर्जर ने कहा कि एल्युमिनाई मीट से छात्रों को बहुत मदद मिलती है। उनके रास्ते आगे की तरफ बढ़ते हैं। श्री गुर्जर ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में कमी आई है। यह बेसिक और माध्यमिक स्तर पर हैं, लेकिन इसका असर तकनीकी शिक्षा पर भी पड़ रहा है। इसको सुधारने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यूपीटीयू में कर्मचारियों की समस्याएं काफी दिनों से चल रही है। इन्हें जल्द ही दूर किया जाएगा।

उप्र प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति और आईईटी के निदेशक प्रो. आरके खांडल ने कहा कि आईईटी यूपीटीयू का मॉडल संस्थान है। यहां के छात्र विश्व के लगभग सभी देशों में अपना हुनर दिखा रहे हैं। यहां के छात्रों की मुख्य कमजोरी अंग्रेजी है। छात्रों की इस समस्या को दूर करने के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के साथ करार किया गया है। कैंब्रिज विश्वविद्यालय की फैकल्टी अब यहां के छात्रों को अंग्रेजी पढ़ाएंगी। प्रो. खांडल ने कहा कि आने वाले दिनों में आईईटी के छात्रों को और अधिक सुविधाएं मिलेंगी।

पूर्व छात्र सम्मेलन

- कई कंपनियों के साथ हुआ करार, आईईटी में पूर्व छात्रों का सम्मान समारोह
- समारोह में तीन दर्जन से अधिक पूर्व छात्रों ने की शिरकत

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सलाहाकार डा. संजय मिश्र ने कहा कि आज की स्थिति यह है कि प्रदेश के लगभग 75 प्रतिशत इंजीनियर रोजगार के लिए भटक रहे हैं। हमें छात्रों को ध्यान में रखकर ऐसा पाठ्यक्रम तैयार करना चाहिए कि उनको नौकरी मिलें। तृतीय वर्ष से ही छात्रों को कंपनियों से जोड़ना शुरू कर देना चाहिए ताकि उनको एक माहौल मिलें। डा. मिश्र ने कहा कि कर्नाटक के सभी इंजीनियरिंग कालेजों में पढ़ने वाले छात्रों का प्रोजेक्ट वर्क ऑनलाइन होता है। कंपनियां प्रोजेक्ट को देखकर ही छात्रों को सलेक्शन कर लेती है। यूपी में भी इस तरह की पहल होनी चाहिए।

यूपीटीयू के प्रतिकुलपति प्रो. डीएस यादव ने कहा कि यूपीटीयू दो विश्वविद्यालयों में हो गया था। इससे यूपीटीयू को गौरव खतरे में पड़ गया था। राज्य सरकार ने दोनों विश्वविद्यालयों को दोबारा से यूपीटीयू बनाकर गौरव वापस कर दिया है। आईईटी के डीन प्रो. बीएन मिश्र ने पहली बार बायोटेक्नोलॉजी एमटेक के छात्रों के लिए शुरू हो रहा प्रो. टीके घोष गोल्ड मेडल और कंपनियों के साथ होने वाले करार के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर आईईटी के रजिस्ट्रार तनवीर आलम, शिक्षक और छात्र मौजूद थे।

बेस्ट प्रोजेक्ट को मिलेगा पुरस्कार : यूपीटीयू के कुलपति प्रो. आरके खांडल ने कहा कि आईईटी के छात्रों को प्रोजेक्ट के तरफ रुझान बढ़ाने के लिए बेस्ट प्रोजेक्ट वर्क को पुरस्कृत करने का फैसला लिया गया है। बीटेक में बेस्ट प्रोजेक्ट के लिए हर वर्ग के एक छात्र को 25 हजार और एमटेक के हर वर्ग के एक छात्र को 50 हजार रुपये दिये जाएंगे। प्रो. खांडल ने बताया कि इससे छात्रों में प्रतियोगिता की भावना विकसित होगी। वे अच्छा काम कर सकेंगे।

स्थापित होगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

आईईटी में सेंट्रर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित होगा। इस बावत सीएमसी और आईईटी के बीच शनिवार को एक करार हुआ है। इसमें सीएमसी आईईटी के छात्रों के लिए नेशनल एम्पलामेंट कोर्स डिजाइन करेगा। इसी क्रम में श्री सिंह ने आईईटी में सेंट्रल ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की घोषणा की। इस अवसर पर दो और करार भी किये गये। लिक्विड कंपनी के साथ हुए करार में कंपनी ने आईईटी के छात्रों को अंग्रेजी की मुफ्त शिक्षा देने और दिल्ली की ड्रैगेन फ्लाई कंपनी ने बीटेक प्रथम वर्ष के छात्रों को इंजीनियरिंग में रुझान पैदा करने और पढ़ाई को आसानी से समझने के एनिमेशन के माध्यम से पढ़ाई करने का करार किया। इसमें छात्रों को इलेक्ट्रानिक्स कंटेंट के माध्यम से समझाने का प्रयास करेंगे। संस्था के सीईओ अमिताभ वीरा ने बताया कि छात्रों के लिए यह पढ़ाई जनवरी से ही शुरू कर दी जाएगी ताकि उन्हें अधिक लाभ मिल सके।

आईईटी को हर संभव मदद देंगे पुरातन छात्र

सम्मान समारोह शामिल होने के लिए देश-विदेश से आये पूर्व छात्रों ने आईईटी को हर मदद करने का भरोसा दिया। अमेरिका के बोस्टर्न शहर में लॉरसन एंड टर्बो कंपनी में एकाउंट डायरेक्टर के पद पर कार्यरत पंकज शाह ने कहा कि जल्द ही वह एल्युमिनाई को संगठित करेंगे। इसके बाद यहां,के गरीब छात्रों के लिए स्कॉलरशिप, प्लेसमेंट, सेमिनार, वर्कशॉप और कंपनियों में ट्रेनिंग आदि की व्यवस्था करेंगे। श्री शाह ने बताया कि वह पहले बैच के पहले छात्र हैं। रोल नंबर भी एक था। उन्होंने कहा कि विदेशों में लगभग पांच सौ आईईटी के छात्र बड़े पदों पर हैं। उनको एक किया जाएगा। गूगल के पंकज कटोचा ने कहा कि वे अपने संस्थान में यहां के छात्रों को जोड़ने का प्रयास करेंगे जबकि एचपी कंपनी के कंट्री मैनेजर संजय अग्रवाल ने कहा कि वह आईईटी के लिए संट्रेल ऑफ एक्सीलेंस दिलाने के लिए काम करेंगे।

तब सीखने की ललक ज्यादा थी : शिक्षक

पूर्व छात्रों के सम्मान समारोह में उस समय के शिक्षक प्रो. वीके सिंह और प्रो. नीलम श्रीवास्तव समेत आधा दर्जन शिक्षकों को सम्मानित किया गया। अपने 25 साल पुराने छात्रों को देखकर शिक्षक भी भावुक हो गये। आज के और उस समय के छात्रों में तुलना करने से नहीं रोक पाये। प्रो. वीके सिंह ने कहा उस समय के छात्र शिक्षकों का सम्मान करते थे और उनमें कुछ करने की ललक देखने को मिलती थी जबकि आज कुछ कम हो गयी है। प्रो. नीलम श्रीवास्तव ने कहा कि उन्होंने वर्ष 1986 में आईईटी में ज्वाइन किया था। उनको पढ़ाने का कोई अनुभव नहीं था, लेकिन कभी किसी छात्र को मेरे कोई शिकायत नहीं थी। उस समय के बच्चे छात्र कम दोस्त ज्यादा थे। इस अवसर पर कर्नल के नाम से मशहूर प्रो. वीके सिंह के उन नाम को यूपीटीयू के कुलपति प्रो.खांडल ने बदल दिया।

4 डेली न्यूज़ एक्टिविस्ट
लखनऊ, रविवार, 22 दिसंबर 2013

...और बेहतर बनने की ठान ली

डेली न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आज तो टेक्नोलॉजी का दौर है, हमारे जमाने में इतनी सहुलियतें कहां थीं। इस संस्थान को हमने अपने हाथों से सींचा है। मां ने कहा तुम्हें तो कुछ याद नहीं रहता तो सेल क्या करोगे। यह बात मन को छू गई और सबसे बेहतर बनने की ठान ली। हमारे समय में सीनियर्स न होने से

- बरसों बाद एक ही छत के नीचे मिले दोस्त

अपना ही राज चलता था। दरअसल, यूपीटीयू के पहले बैच के छात्र जो हम ठहरे, हा हा हा... 25 बरस बाद संस्थान में वापस आया हूं, मन भर आया। हो भी क्यों न, दिल तो यहीं गिरवी था। ये बातें यूपीटीयू के (1984-88) बैच के छात्र-छात्राओं ने शनिवार को संस्थान में आयोजित फेसीलेशन ऑफ सिल्वर जुबली के दौरान कहीं।

कार्यक्रम का आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग टैक्नोलॉजी की ओर से किया गया। एक के बाद एक एल्युमिनाई आते गए और अपने दौर के यादगार लम्हों को वर्तमान छात्र-छात्राओं और शिक्षकों से रूबरू कराते रहे। इस बीच कई भावुक भरे पल भी आए। एक बात जो खास थी, सभी एल्युमिनाई ने यूपीटीयू को और बेहतर बनाने की बात कही।

कुलपति प्रो. आरके खांडल व मंत्री राम सकल गुर्जर के साथ पूर्व छात्र

विद्यार्थियों को सलाह दी गई कि अपने स्तर से छोटे-छोटे इनोवेशन करते रहें। बरसों बाद एक ही छत के नीचे मिले दोस्तों की आंखों की चमक साफ देखी जा सकती थी। लंबें समय तक संपर्क टूटने के गिले-शिकवे और फिर याराना बातों का सिलसिला चलता ही रहा। इनमें से कई तो रिटायर्ड हो चुके थे। संस्थान के कुलपति प्रो. आरके खांडल ने सभी एल्युमिनाई से संस्थान की प्रगति में योदगान देने की बात कही।

...मन भर आया है

प्रदेश सरकार में मंत्री राम सकल गुर्जर ने कहा कि शिक्षा के मंदिर में आकर मन भर आया है। इतने वर्षों के बाद लोगों का आपस में गर्मजोशी से मिलना और बड़े छोटे का सम्मान, अपने आप में मिसाल है। ये संस्कार वर्तमान छात्र-छात्राओं के लिए सीख है। रही बात शिक्षा की तो सरकार हमेशा से इसे प्राथमिकता देती रही है और आगे भी देती रहेगी। इंजीनियरिंग के क्षेत्र की और बेहतर बनाने के लिए कई योजनाओं पर काम हो रहा है। यूपीटीयू के लिए हम हर संभव मदद के लिए तैयार हैं।

समझना तो विद्यार्थी को है

संजय झा ने कहा कि गुरु तो सिखा देगा लेकिन समझना तो विद्यार्थी को ही है। इसलिए किसी भी चीज को सीखने में दिली लगाव और एकाग्रता की बहुत जरूरत होती है। लैब न होने की वजह से हम लोग प्रेक्टिकल टेस्ट के लिए लंविवि, कानपुर और फैजाबाद तक जाते थे।

इसलिए नहीं लिया प्रवेश

यूपीटीयू के सबसे पहले बैच के छात्र पंकज शाह बताते हैं कि राजधानी का यह पहला इंजीनियरिंग कॉलेज है। दूसरे कॉलेजों के मुकाबले यहां सहुलियतें न के बराबर थीं लेकिन माता-पिता का साथ नहीं छूटेगा इसलिए यहीं एडमिशन ले लिया। जबकि मेरिट के आधार पर मेरा एडमीशन नामी गिरामी संस्थानों में हो सकता था। इन सबके बीच पढ़ाई से कोई समझौता नहीं किया। संस्थान की बेहतरी के लिए जी जान लगा दूंगा, बस मुझे कुछ समय का मौका दें।

नहीं हुई कोई परेशानी

यूपीटीयू में इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग विभाग की पहली महिला शिक्षिका नीलम श्रीवास्तव बताती हैं कि विद्यार्थियों के हम उम्र होने के बावजूद कोई परेशानी नहीं होती थी। इनकी हैंड राइटिंग से लेकर शैतानियां सभी पहचान लेती थीं। उस दौर में टैक्नोलॉजी इतनी फास्ट नहीं थी इसलिए विद्यार्थी आपस में ही खेल-कूद,पढ़ाई लिखाई एक साथ करते थे।

गरीब बच्चों को स्कालरशिप

कई एल्युमिनाई का कहना था कि हम आपस में चंदा कर गरीब बच्चों को स्कालरशिप देने की योजना बना रहे हैं। इससे उन गरीब छात्रों को सीधे तौर पर फायदा मिलेगा जिनकी काबिलियत गरीबी की वजह से दब जाती है। इसमें सैकड़ों बच्चों को शामिल करने की पहल की जाएगी।

होटल बनाने की कवायद

एल्युमिनाइयों ने इस मौके पर संस्थान के लिए एक होटल बनाने की बात भी कही है। इसमें सिर्फ यहां के पूर्व और वर्तमान छात्र-छात्राओं के अलावा शिक्षक ही आ जा सकेंगे। सभी ने उम्मीद जताई की जल्द ही इस प्रोजेक्ट पर साथ बैठकर बात की जाएगी।

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 22 दिसम्बर, 2013

'इण्डस्ट्री और एजुकेशन में समन्वय जरूरी'

आईईटी में इंडस्ट्री एकेडमिया इंटरेक्शन के साथ ही 1988 बैच के छात्रों ने मनाई रजत जयंती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शनिवार को इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी परिसर में इंडस्ट्री एकेडमिया इंटरेक्शन-कंजर्वेशन 2013' व 1988 बैच के छात्रों का रजत जयंती समारोह एक साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री राम सकल गूजर शामिल हुए।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए प्रदेश के तकनीकी शिक्षा मंत्री राम सकल गूजर ने कहा कि उद्योग और शिक्षा के बीच मौजूदा खाई पाटने के लिए विशेष प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होंने राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के विभिन्न उठाए जा रहे उपायों और कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। श्री गूजर ने कहा कि प्रदेश सरकार का छात्रों को लैपटॉप वितरण कार्यक्रम समाज में डिजिटल डिवाइड को कम कर आधुनिक ज्ञान आधारित समाज का हिस्सा तो होगा ही इसके साथ उन्हें रोजगार हासिल करने के सक्षम बनाएगा। इस अवसर उन्होंने संस्थान के पूर्व छात्रों से इस काम में विश्वविद्यालय और राज्य सरकार की मदद करने की अपील की। यूपीटीयू के कुलपति प्रोफेसर आरके खांडल ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में छात्रों से सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. खांडल ने बताया कि एक तंत्र विकसित किया जा रहा है जिसके तहत कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के प्रोफेसर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान , लखनऊ के छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय मानक की अंग्रेजी भाषा में प्रशिक्षित करेंगे। कार्यक्रम में लगभग 300 पूर्व छात्रों ने हिस्सा लिया। इनमें रजत जयंती बैच (1988 बैच) के कई नामचीन कम्पनियों में काम कर रहे पुरातन छात्रों सहित पांच प्रो. बी कुंवर , प्रो. नीलम श्रीवास्तव , प्रो. एसबीएस मिश्रा, प्रो. एसपी त्रिपाठी और प्रो. वी के सिंह को सम्मानित किया गया। इस अवसर संस्थान द्वारा प्रो. टीके घोष स्वर्ण पदक पुरस्कार की घोषणा की गई। एम टेक (बायोटेक्नोलॉजी) 2012 बैच की टॉपर लक्ष्मी पाठक को प्रथम पदक देकर पुरस्कृत किया गया । इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान के डीन प्रशासन प्रोफेसर बीएन मिश्रा ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर प्रो. वीरेन्द्र पाठक सहित भारी संख्या में शिक्षक,छात्र-छात्राएं मौजूद थीं।

The Sunday EXPRESS

UTTAR PRADESH 3

DECEMBER 22 | 2013

UPTU to sign MoU with Cambridge

LUCKNOW: Uttar Pradesh Technical University (UPTU) will sign a Memorandum of Understanding (MoU) with Cambridge University, UPTU pro vice-chancellor Prof D S Yadav said on Saturday. "We have held talks with Cambridge University officials and an MoU will be signed soon," Prof Yadav said, adding communication skills will be the focus of the tie-up. "The idea is to improve communication skills of UPTU students through the softwares and tools available with Cambridge," Prof Yadav said. MoUs with INTEL and Microsoft are also in the pipeline, he announced. At an industry-academia interaction organised by the Institute of Engineering and Technology (IET), Lucknow UPTU vice chancellor Prof R K Khandal informed that at first, "Professors from Cambridge University will train the students of IET in English and if things go well, it will be extended to other institutions of the state." At the Saturday meet, IET also signed MoUs with three companies towards quality improvements in the institute.

ENS

लखनऊ, 23 दिसंबर 2013 दैनिक जागरण | III

यादें संजोने देश-विदेश से आए एलुमनाई

एलुमनाई मीट

- इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्रथम बैच ने मनाई सिल्वर जुबली

जासं, लखनऊ : सीतापुर रोड स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की प्रथम बैच की सिल्वर जुबली एलुमनाई मीट का आयोजन हुआ। इसमें अमेरिका, पुणे, मुंबई समेत विदेश से आए पूर्व छात्रों ने शिरकत की।

उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आरके खांडल ने सभी को प्रतीक चिन्ह भेंट किए। उन्होंने कहा कि इंस्टीट्यूट में इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए छात्रों के पांच टॉप प्रोजेक्ट को 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। राज्यमंत्री प्राविधिक शिक्षा राम सकल गुर्जर ने कहा कि शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि छात्रों को ऐसी शिक्षा दें कि उनका भरोसा संस्थान पर बढ़े। यूपीटीयू को आगे बढ़ाने के लिए सरकार मदद करेगी ताकि तकनीकी शिक्षा आगे बढ़े। इंडस्ट्री एकेडमिया वर्कशॉप में साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग भारत सरकार में एडवाइजर संजय मिश्र ने कहा कि विवि जो भी सेलेबस तैयार करे उसमें इंडस्ट्री की मदद जरूर ले। आइईटी के डीन एडमिनिस्ट्रेशन डॉ.बीएन मिश्र ने बताया कि एमटेक बायोटेक्नोलॉजी में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली लक्ष्मी पाठक को स्वर्ण पदक दिया जाएगा। प्रतिकुलपति प्रो. डीएस यादव ने कहा कि शिक्षकों व छात्रों की वजह से संस्थान आज ऊंचाइयों पर है। आइईटी के शिक्षक प्रो वीके सिंह, डॉ.नीलम श्रीवास्तव, डॉ.आरसी चौधरी, डॉ.एनबी मिश्र और प्रो.एसपी त्रिपाठी को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

आइईटी के प्रथम बैच के विद्यार्थी वर्षों बाद एक मंच पर मिले जागरण

साइन हुए एमओयू

यूपीटीयू ने तीन कंपनियों के साथ एमओयू साइन किया है। ड्रैगन फ्लाई कंपनी तकनीकी शिक्षा में छात्रों को स्मार्ट क्लासेज के जरिए देश-विदेश के नामी शिक्षाविदों से रूबरू कराएंगी। सीएमसी कंपनी छात्रों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी और लिविंड ई-लर्निंग कंपनी विद्यार्थियों की अंग्रेजी पर पकड़ व व्यक्तित्व विकास में मदद करेगी।